The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 1, 1984 (अग्रहायण 10, 1906) सं० 48] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 1, 1984 (AGRAHAYANA 10, 1906) No.

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके। (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

	ावष य	सूचा	
भाग [खण्ड- [भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को	A_{r}	भाग IIखण्ड ३उन-खांड(iii)भारत सरकार के मंत्रा-	प्छ
भाग 1आवण्ड-1		लयों (जिनमें रक्षा संश्रान्य भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शाक्ति क्षेत्रों के प्रशासनों को छोडकर)	
भाग I — खण्ड-2 — भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की निमृक्तियों, पदीन्नतियों आदि के सम्बन्ध में अधिस्मृत्यां, पदीन्नतियों स्वार्थ के सम्बन्ध में अधिस्मृत्यां .		द्वारा जारी किए गए सामान्य सौविधिक नियमों / भौर सौविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधिया भी शामिल हैं) के हिन्दी में प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोक्कर को भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या	
	1 +6	साध्य 4 में प्रकाणिय होते हैं)	•
भाग Iखंड 3रजा मंत्रालय द्वारा आरी किए गये संकल्पी भीर अमाविधिक बादेशों के सम्बन्ध में अधिमृषनाए		भाग 11 भांड 4रज्ञा मंत्रालय द्वारा किए गण माश्रिक्षिक नियम और आदेण	•
चार I खण्ज 4 रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोक्षतियां आदि वे सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	13 +	माग III चंड 1 उन्मतम म्यायालय, महाने खा परीकार,	·
माग II— चण्ड 1 — ऑधनियम, शस्यादेश और विभियम .	•	संघ लीक सेवा भाषीय, रेलचे प्रशासनी, उच्च न्यायालयी भीर भारत सरकार के संबद्ध और अधीनस्य कार्यालयी	
भाग II — खण्ड 1-कं — अधिनियमीं, अध्यादेशो भीर विनियमीं का द्विन्देश भाषा में प्राक्षिकत पाठ		∎ारा जारी की गई अधिसूचनाएं .	28711
भाग II — खण्ड २ — तिधेयफ तथा विधेयकों पर प्रथर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट .	•	भाग IIIचैंद्र 2पैटेन्ट कार्यालय, कपरुषा द्वारा आरी की गर्या अधिसूचनाएं भीर नोटिस	977
धाम II— चांड -3-उप-थांड (i)भारत सरकार के मंत्रा क्यों (रक्षा मंत्राजय को छोड़कर) मीर केम्सीय प्राधि- करणी (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर)		णाग III — खण्ड 3 — मुख्य कायुन्तः। ते प्राधिकार के अधीन सथवा द्वारा जारी की गर्व अधिसूचनाएं	
द्वारा जारी किए गए सामान्य साविधिक निर्म (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपलब्धियः	_	भाग III — खण्ड 4विविध अधियूचतप् जिनमे साथिधिक निकामों द्वारा जारी की गरि श्रीश्रयुचनार्वे आदेश,	
मावि मी शामिल हैं)	*	विज्ञापन, और मोटिस आमिल हैं	2981
भाग II — खण्ड 3-उप-खण्ड (ii) — भारत सरकार के मंत्रालयों (रहा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ कासित क्षेत्रों के प्रशासनों का		षाथ IVगैर-सरकारी काकित और गैर-सरकारी निकासः द्वारा विभाषम और नोटिय	181
छोड़कर) द्वारा जारी किए गए साविधिक आदेश और अधिपुत्रनाएं	¥	चाग V——संग्रेजी सौर हिम्दी दोतों में जन्म और मृत्यू के सर्वकाँ चो विख्याने वाला अनुपूरक	•
	k		*

CONTENTS

	OOT IZELII		
1	Page	·	PAGE
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence)	82 7 1469	Part II—Section 3—Sus-Sec. (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including byelaws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administrations of Union Territories)	
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Reso-		trations of Omon Territories)	
lutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	_	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	
PART I—Section 4—Notification regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	1897	Part III—Section 1—Notifications issued by the Supreme Court, Auditor General, Union Public Service Commission, Railways Administrations, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the	
PART II—Section 1-A—Authoritative text in the		Government of India	28711
Hindi I anguage of Acts, Ordinances and Regulations	•	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta	977
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (1)—General Statutory Rules (including orders, by-laws, etc. of a general character) issued by the		PART III.—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	_
Ministries of the Government of India, (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) PART II -SECTION 3—Sur-Suc. (ii)—Statutory Orders	*	PART III—Section 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	2981
and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central		PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies	. 18 1
Authorities (other than the Administration of Union Territories)	•	PART V—Supplement showing statistics of Birth and Deaths etc. both in English and Hindi	•

भाग I-खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को फ्रोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गईं विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बंधित अधिसूत्रवाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

विन्तः सत्राज्य राजस्य विभाग

नई दिल्ली, दिवाक 22 सितम्बर 1984

पक्तिको मध्यसन टल स् नियनिति सामिल हासे 🛶

भी ज्यातिमंय रा

__-प्रध्य**धा**

सहस्य

केर्प्रीय जन्मादन ग्रन

एव सीमा णाक बोई न दिली।

धा० चरन **ब**द्धवा

-----सदम्य

प्रार्थिक नगानकार

भारत देवी धुर्लंबद्रीयान

श्री नम्ण बास

कार्यवारी निदेशक

भारतीय इजीनियरिंग उद्योग सघ

--भदस्य

थी एन० दी । रीनियासन

सदस्य (बिन्प)

श्रीद्येशिक लागन एप मृत्य व्यारा

---**मद**स्य

मदस्य (बजट)

केन्द्रीय उत्पादन गुण्क एव

सीमा शुल्क बॉर्ड, नई दिल्ली

—-सद∓य

जबकि घध्यक्ष पूर्णकालिक घधिकारी होंगे परन्तु सदस्य, प्रपने-ग्रपने उर्नमान कार्यों के घनिरिक्त दल में कार्य करेगे ।

- 3. तकनीकी ग्रध्ययन दल के विचारार्थ विषय उप प्रकार से हैं ---
- (i) भारत सरकार में इस सम्बन्ध में सिफारिश करना कि केन्द्रीय उत्पादन शुल्क टैंक्फि श्रत्मूची (केन्द्रीय उत्पादन शतक और नमक श्रधि-नियम की प्रथम श्रत्मूची) में जिस ब्राधार पर, विशेष रूप से निम्नलिखित के सदर्भ में, मशाधन किए जाने चाहिए।
 - (क्त) वज्वाताम्रा चौर कर सम्मान्तिम् के बीच विश्वाद का वस करने की दृष्टि से टैरिफ म्रौट वर-निर्धारण सम्मान्धी कार्य-विधियो को सरल भौर युक्तिसगत बनाने की धावरसकता;
 - (ख) नीति-निर्धारिन करने के लिए केन्द्रीय उत्पादन शुरुक के भार में सम्बन्धित भ्राधार सामग्री एकत करने में मुनिया; और
 - (ग) श्रीप्राणिक प्रत्यादन, श्राद्याणिक लाइसेसी, श्रायान लाइसेसी, श्रादि के सम्बन्ध में राजकार द्वारी इस्लेमाल किए जाने श्राते

मीमा मुल्क टैरिक कोड और ऋष्य मांख्यिकीय दर्गीकण्ण के गांव सम्भव भीमा तक मिलान,

- (ii) छूट और राहनो बिणेष रूप से ऐसी राहनो और छूटा के निरीक की समीक्षा करना जिनका उद्देश्य लघु-उद्योगो और कुटीर उद्योगा को बढाबा देना हो, और
- (iii) वल द्वारा की गर्या मिकाणिं। का कार्यान्वयन परन और दिशेष स्पा से इस बात की जान करने की दृष्टि मे आद्ययक विधायी और प्रशासनिक परिवर्तन करने के सम्बन्ध म निकारिक करना कि क्या केन्द्रीय उत्पाद मृत्क और नामक क्रीविन्यम, 1944 की प्रथम प्रमुपूर्ण का केन्द्रीय नामक क्र्यक्र टीलक व्यक्तियम के रूप म क्रद्रम ने अविनिवर्गन कि वा जाना कार्टिण् ।
- 4. जल-समाननार पर ऐसे सहरणा को द्वाक्ष्यक तन्मा नहयाजित कर सकता है तम जनस ऐसा सुविध सलाह ब्रथना दूसरे साथको प्रता है जो इसके कार्य के लिए ब्रयेक्षित हा। दल ब्रयनी नियुक्ति की तारी खेले । वर्ष के भीतर सरकार को ब्रयनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा ब्रीट ऐसा प्रस्तरित रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा ब्रीट की वहां अखबब्रिक समझे ।

भ्रादेण

प्रादण दिसा नातः है नि इस सक्षाप की एक प्रति सभी सर्वाधन छक्षि-गारिया को भेज दी जाए ।

यह भी क्रादेण दिया जाता है कि साधि का जाताधारण की सूचना के लिए भारत के राजपन्न में प्रकाणित किया जाए।

क्रो० पी० गृत्ला उप मचित्र

भारतीय डाक तार विभाग डाक तार महानिदेशक का कार्यालय नई दिल्ली, विनांक 5 नवम्बर 1984

प्रस्ताव

स० 6-29/83-पी० ई-II--भारत सरकार कुछ समय में प्रतिरिक्त विभागीय प्रणाली के कार्यकरण की जांच करने ग्रीर प्रतिरिक्त विभागीय एजें रे को उनकी सेवाग्रों के लिए पारिश्रमिक के मानदण्ड की पुनकीक्षा करने के प्रका पर विचार कर रही है। अब भारत सरकार ने इस उद्देश्य के लिए एक-सवस्य मिनि का गठन करने का निर्णय लिया है।

- 2. श्री भ्रार० श्रार० मबूर, सेवानिवृत्त सदस्य (श्रित्त), डाक तार वोर्ड इस ममिति का गठन करेगे।
- 3 यह समिति समान्यतया डाक-नार विशास की डाक शाखा की आर्त-रिक्त विभागीय प्रणाली के वार्यकरण की जाख करनी और मितव्ययता को स्यान में रखते हुए, यथावश्यक इस प्रणाली का अधिक कारगर बनाने के लिए इसके

सुधार सम्बन्धी सुकाव देगी । विशेषतः समिति निम्मलिखित कार्यौ का श्रश्च्ययम करेगी :---

- (क) ग्रतिरिक्स विभागीय एजेटों की सेवाग्रों के लिए उनके पारिश्रमिक के मौजूदा मानवण्ड तथा उनके भत्तों की सावधिक पुनरीका। प्रक्रिया की जीच करना ।
- (ख) श्रतिरिक्त विभागीय एजेंटों को डाकघर कार्य ग्राहि से सम्बन्धित सुविधाएं देने की जोव करना ।
- (ग) विभिन्न श्रेणी के श्रतिरिक्त विभागीय डाकघरों में जनता को दी गयी मुनिधाशों की पुनरीक्षा ।
- (घ) विभिन्न श्रेणियों के फ्रांतिरिक्त विभागीय एजेंटों की नियुक्ति के लिए निर्धारित योग्यता तथा अन्य फहुँता मातौँ तथा डाक तार विभाग में उन्हें नियमित ग्रेड में नियुक्त करने के लिए दी गयी सुविध्यमों की पुनरीका ।
- (क) म्रतिरिक्त विभागीय एजेंटों के लिए म्राचरण भीर मनुशासनिक नियमावली की पुनरीका ।
- (च) इस पर भी विकार करना कि क्या भ्रतिरिक्त विभागीय एजेंटों को एक उपदान देने की मौजूदा प्रणाली में किसी प्रकार के परि-वर्तन करने का श्रावस्थकता है ?
- (छ) धिनिरिक्त विभागीय एजेंटों के संगठन की वैधानिक देड यूनियन के कार्यकलापों सम्बन्धी दी गयी सुविधाओं की पुनरीक्षा।
- 4. यदि समिति की जांच के दौरान झितिरक्त विभागीय एजेंटों को भ्रन्तिरम भ्राधिक महायता देने की आवश्यकता उत्पत्न होती है तो समिति इस मुद्दे पर विचार करेगी और अपनी निर्पार्ट प्रम्तुन करेगी। समिति द्वारा यह भी निर्दिष्ट किया जाएगा कि क्या समिति किसी प्रकार की भ्रन्तिरम श्राधिक सहायता देने की सिफारिक करती है तथा किस तारीख से ऐसी भ्रन्तिरम सहायता दी जाए।
- 5 समिति भ्रय्य बातों के साथ-साथ डाक तार विभाग की ऐतिहासिक पृष्ठ भृमि, साधनों तथा वित्तीय गतों, विकासीय योजनाओं की मांगों तथा ग्रिसिरिक्त विभागीय एजेंटों के वेनन नथा भ्रन्य सामान्य स्थानीय परिस्थितियों, को ध्यान में रख कर भ्रपनी सिफारिणे देगी। सीमिति भ्रपने कार्य की प्रगति के बारे में समय-समय पर चतुर्य वेनन श्रायोग की सुचित करती रहेगी।

MINISTRY OF FINANCE (DEPARTMENT OF REVENUE) New Delhi, the 22nd September 1984 RESOLUTION

No. A-11013|91|84-Ad.IV.—The Government of India has decided to appoint a Technical Study Group to conduct a comprehensive enquiry into the structure of the Central Excise Tariff and recommend the lines on which it may be revised and rationalised.

The Technical Study Group will consist of the following:
Chairman

Shri J. Datta, Member, Central Board of Excise and Customs, New Delhi.

Members

Dr. Charan Wadhawa, Economic Adviser, Bharat Heavy Electricals. Shri Tarum Das, Executive Director, Association of Indian Engineering, Industry. Shri N. T. Srinivasan, Member (Finance), Bureau of Industrial Costs & Prices.

- क. समिति अपनी कार्य प्रक्रिया बनाएमी तथा यथायश्यक सूचना एकल करेगी भौर साक्ष्य लेगी ।
 - 7. समिति का मुख्यालय नई विल्ली में होगा।
- 8 समिति भ्रपने गठन की तारीख़ से एक वर्ष के भीतर भ्रपनें। रे उंदेगी ।

भाषेश विधा जाता है कि जनता के सूचनार्थ इस प्रस्ताव को भारत के राजीक में प्रकाशित किया जाए ।

यह भी भादेश दिया जाता है कि इस प्रस्ताय की एक-एक प्रति वेतन अस्मेग, निवेशक, लेखा परीक्षा, डाक-तार, दिल्ली, विन मंत्रालय (व्यय विभाग) तथा प्रस्म सभी सम्बन्धित प्रधिकारियों को प्रेयित की जाए।

भ्रार० किणीर, सबस्य (प्रशासन) पदेन भ्रतिरिक्त संचिव

सूचना भीर प्रसारण मस्रासय नई दिल्ली, दिनांक 31 श्रक्तूघर 1984 संकटप

स० ६०-11015/33/82-प्रिन्दी---भारत सरकार श्री नरेन्द्र सिह, ससद सदस्य का इस मवालय के सकर्ष सक्या ई०--11015/1/80-हिन्दी, डिनांक 14 धमस्त, 1984 द्वारा गठित इस मंत्रालय की हिन्दी मलाहकार गमिति भी सदस्यता से स्थागपन्न तत्काल से स्थानार रुग्नी है।

भ्रादेश

ब्रादेश दिया जाता है कि ध्रम सकत्य की एक-एक प्रति सभी राज्य सरकारो व्राट संब शासित क्षेत्रों के प्रशासको, भारत सरकारों के सभी मंत्राक्षयों/विभागों राज्यति सचिवालय, प्रधासमत्री का जार्यात्य, कित्रकष्टल सचिवालय, समधीय कार्य विभाग, लोक सभा सचिवालय राज्य सभा सचिवालय, योजना श्रायोग, नियंत्रक श्रीर महालेखा परीक्षय, महालेखावार उत्तरीय राजस्य श्रीर लेखा महालियंत्रक श्रीर भेज की जाए।

यह भी आदेश विया जाता है कि इस सकल्प का सर्थसाधारण की जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

िजेन्द्र निष्ट जाफा, संयुक्त रातिया,

Member (Budget), Central Board of Excise & Customs, New Delhi.

While the Chairman wil be full time officers, the Member-will be serving the group in addition to their present assignments.

- 3. The terms of reference of the Technical Study Group
 - (i) to recommend to the Government of India the lines on which the Central Excise Tariff (First Schedule to the Central Excise & Salt Act, 1974) should be revised with particular reference to—
 - (a) the need for simplification and rationalisation to the Tariff and assessment procedures with a view to reducing the areas of cenflict between the tax payers and the tax-Collectors;
 - (b) facility in collection of data regarding incidence of excise duty for policy formation; and
 - (c) alignment, to the extent possible, with the Tariff code of Customs and other statistical classification used by the Government in regard to industrial licensing, import licensing etc.
 - (ii) to review the pattern of exemptions and reliefs, particularly those aimed at encouraging small scale and cottage industries; and
 - (iii) to make recommendations for neccesary Legislative and administrative changes wth a view

to in elementing the recommendations made by the coup and, especially, to examine whether the First Schedule to the Central Excise and a Act, 1944 should be separately enacted as antral Excise Tariff Act.

nay co-opt such members as may be necesas it may require for its work. The Group will submit its Report to the Government of India within a year from the date of its appointment; and it may submit such interim reports as it considers necessary.

ORDER

Ordered that a copy of the Resolution be communicated to all concerned.

ORUFRED also that the Resolution be published in the Gazet e of India, for General information

O. P. GULLA, Dy. Secy

INDIAN POSTS AND TELEGRAPHS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL POSTS AND TELEGRAPHS

New Delhi-110001, the 5th November 1984

RESOLUTION

No. 6-29|83-PE-II.—The question of examining the working of the Extra-Departmental System in the P&T Department and reviewing the basis for remunerating the services of Extra-Departmental Agents has been under the consideration of the Government of India for some time. The Government of India have now decided to set up a One-man Committee for the purpose.

- 2. Shri R. R. Savoor, retired Member (Finance), P&I Board, will constitute the Committee.
- . 3. The Committee will examine generally the working of the Extra Departmental System in the Postal Wing of the P&T Department and suggest such modifications and improvements as may be necessary to make the system efficient consistent with economy. In particular, the Committee will;
 - (a) examine the existing basis for remunerating the services of Extra-Departmental Agents and the procedue for periodical review of their allowances,
 - (b) examine the facilities to be provided to Extra Departmental Agents in connection with Post Office work etc.;
 - (c) review the facilities provided for the public at diffrent classes of Extra Departmental Post Offices;
 - (d) review the qualifications and other eligibility conditions prescribed for employment of different categories of Extra Departmental Agents and the facilities given to them for absorption in the regular grades in the P&T Department;
 - (e) review the conduct and disciplinary rules for Extra-Departmental Agents;
 - (t) consider whether any change is called for in the present system of grant of gratuity to Extra-Departmental Agents;

- (g) review he facilities extended to Association of Extra-Departmental Agents in regard to legitimate Trade Union activities.
- 4. In case the need for consideration of grant of relief of an interim character to the Extra-Departmental Agents arises during the course of enquiry by the Committee, it may consider the same and send a report thereon. Should the Committee recommend grant of any interim relief, the date from which the relief should be granted will this be indicated by the Committee.
- 5. The Committee will make its recommendations having regard, among other factors, to the historical background, the resources and financial condition of the P & T Department, the demands of developmental planning and the wages and other conditions of employment prevailing in the localities where such Extra-Departmental Agents are normally employed. The Committee will keep the Fourth Central Pay Commission informed of the progress of its work from time to time.
- 6. The Committee will devise its own procedure and may call for such information and take such evidence as it may consider necessary.
- 7. The Headquarters of the Committee will be at New Delhi.
- 8. The Committee will make its recommendations within a period of one year from the date of its formation.

ORDER

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

ORDERED also that a copy of the Resoultion be communicated to the Pay Commission, Director of Audit, P & T Delhi, the Ministry of Finance (Department of Expr.) and all others concerned.

R. KISHORE.
Member (Administration) &
Ex-Officio-Addl. Secy.

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

New Delhi, the 31st October 1984

RESOLUTION

No. I.11015[33]82-Hindi.—Government of India have accepted the resignation of Shri Narendra Singh, Member of Patliament, from the membership of the Hindi Advisory Committee of this Ministry constituted vide this Ministry's Resolution No. F.11015[1980-Hindi, dated 14th August, 1981 with immediate effect.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to all State Govts, and Union Territory Administrations, all Ministrics/Deptts, of the Govt, of India, President's Sectt., Prime Ministers Office, Cabinet Sectt., Deptt, of Parliamentary Affairs. Lok Sabha Sectt., Rajya Sabha Sectt., Planning Commission, Comproller and Auditor General, Accountant General, Central Revenues and Controller General of Accounts.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

V. S. JAFA, It. Sees.